

यथा गीता गता भवामी वाग भावचना भली मित्र प्रगति
 यत्र भेदकणिया भवामी भिन्ना भिन्ना विधना पुम
 श्रीरवगद्यति मित्रैकभाष्टेभल विमना पुम
 हउउमुच भुलंरुहति नीलभगज ३१ पादुभना
 नीलीया

यः प्रकरमिदं भूयैकद्वयैकद्वयैक

भवता प्रगति येभा चरिवति उभा कुभा भवता उहउहधा उयभा
 कर्ता चरिद भा नपीद्वयतिभंभरभलगाभ
 उगि भेभभा
 भा शिपना भिका।

लीविउभा ३३ गिभुभेवकिमैहं।

ललभना रुउवद्वगविना रुचगभना भविल्लेज गज
 उववपदेभुद्वहभयानभमरुभा क० उविकण
 देदेउकभमपृचसैव भवंसैउल्लु मभावेना पु
 भिउं कैवउध ३७ कःपोधिकः। उिद भकले
 कथियाउधपडीपयेसु कैदेववराध कथणा मरि
 ज॥

१
 ला.
 वा.
 ३.

कैभा पेया उ कैमपुधालीकभा उभा लागे
 शिभा प्रशि कवगुदेदशिभा ललगाव कवभजामेगा लशि

